भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2036

दिनांक 18 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ई-संजीवनी के क्रियान्वयन में चुनौतियाँ

2036 श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ई-संजीवनी में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के अपर्याप्त प्रशिक्षण, सामान्य चिकित्सकों की कमी, पुरानी तकनीक और प्रतिपुष्टी तंत्र की अनुपस्थिति जैसी मामलों से अवगत है;
(ख) यदि हाँ, तो इन चुनौतियों का समाधान करने और प्लेटफ़ॉर्म की दक्षता में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(ग) क्या मंत्रालय सभी क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करने और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को एकीकृत करने के लिए ई-संजीवनी का विस्तार करने की योजना बना रहा है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): ई-संजीवनी एक राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा है जो 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में यह संचालित है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करना है। इसे दो प्रकारों में कार्यान्वित किया जाता है: (i) ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी/आयुष्मान आरोग्य मंदिर - एक प्रदाता-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म (ii) ई-संजीवनी ओपीडी - एक रोगी-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म और हब और स्पोक मॉडल पर संचालित होता है।

28 फरवरी 2025 तक, 37,144 हब (मध्यम/विशिष्ट स्तर की स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों आदि में स्थापित) और 1.87 लाख स्पोक के माध्यम से ई-संजीवनी एएएम में 33.90 करोड़ परामर्श आयोजित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ई-संजीवनी सेवाओं के कार्यान्वयन के उद्देश्य से डॉक्टरों की भर्ती के लिए कार्यवाही के रिकॉर्ड के माध्यम से अनुमोदन प्रदान करता है। ई-संजीवनी सेवाओं के लिए डॉक्टरों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार सरकारी डॉक्टरों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) को नियुक्त करती है।

ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से टेलीमेडिसिन तकनीक के प्रभावी उपयोग को मजबूत करने के लिए, स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए उचित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसे कि सीडैक-मोहाली में वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

इसके अलावा, प्रौद्योगिकी को मजबूत करने के लिए, एनएचएम कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए बजट प्रावधानों में आईटी उपकरणों और उनके रखरखाव खर्चों का ध्यान रखते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और केंद्रों में आईटी बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

ई-संजीवनी ने लक्ष्य 1 और 2 के तहत आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण किया है।

ई-संजीवनी वेब एप्लिकेशन वर्तमान में 13 भाषाओं: अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी, गुजराती, असमिया, ओडिया, बंगाली, पंजाबी और उर्दू का समर्थन करता है , जबकि मोबाइल एप्लिकेशन 8 भाषाओं: अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, गुजराती, मराठी, पंजाबी और तेलुगु का समर्थन करता है, इस प्रकार इससे उपयोगकर्ताओं के लिए सुसंगत और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है, जिससे विविध समुदायों के लिए समावेशिता बढ़ती है।

*****